

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, हंगामे की भेंट चढ़ा गया मानसून सत्र

नई दिल्ली, 21 अगस्त। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, जिसके साथ ही संसद का 21 दिवसीय मानसून सत्र समाप्त हो गया। अंतिम दिन भी कई बार कार्यवाही स्थगित हुई और विपक्षी दलों ने बिहार एसआईआर और कथित वोट चोरी के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। शुरूआत से ही यह सत्र हंगामेदार रहा। पहले दिन से ही इस एसआईआर को लेकर विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा शुरू किया जो आखिरी दिन तक भी जारी रहा। दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान दोनों सदनों में हंगामा कम देखने को

मिला। लोकसभा की बैठक बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई जिसमें 12 विधेयकों को बिना चर्चा के या संक्षिप्त चर्चा के साथ पारित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने मानसून सत्र में कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा प्रकट करते हुए कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। अठारहवीं लोकसभा के पांचवें सत्र की शुरूआत 21 जुलाई को हुई थी जिसमें 14 सरकारी विधेयक पेश किए गए और 12 विधेयक पारित किए गए। इनमें अनुसूचित



जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्समायोजन से संबंधित गोवा विधेयक 2025, मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2025, मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025, मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल हैं। इनके अलावा आयकर विधेयक 2025, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय बंदरगाह विधेयक 2025, खनिज और खनिज विकास (विनियमन और संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2025 और ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक,

2025 भी हंगामे के बीच लोकसभा में पारित किए गए। लोकसभा ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने के प्रावधान वाले ह्रासविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। सदन में 28 और 29 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा बिना किसी व्यवधान के पूरी हुई जिसका जवाब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया।

मेडली फार्मा कंपनी में गैस रिसाव से बड़ा हादसा, चार मजदूरों की मौत, दो की हालत नाजुक

पालाघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर स्थित तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। मेडली फार्मा कंपनी (प्लॉट नं. 13) के नाइट्रोजन रिएक्शन टैंक से अचानक गैस रिसाव होने पर छह मजदूर गंभीर रूप से प्रभावित हो गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब अढ़ाई से तीन बजे के बीच घटी। सभी प्रभावित मजदूरों को तत्काल बोईसर के शिदे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। मृत मजदूरों की पहचान



कल्पेश राऊत, बंगाली ठाकुर, और हालात का जायजा लिया। के तौर पर बताई जा रही है वहीं गंभीर रूप से घायल मजदूरों की पहचान रोहन शिंदे व निलेश हाडल बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और

प्रशासन की टीमों मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। हादसे के बाद कंपनी परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया। फिलहाल गैस रिसाव के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

बाढ़ से प्रभावित हर क्षेत्र का मैं स्वयं पहुँचकर हालात का जायजा ले रहा हूँ: सिंधिया

ग्वालियर/भोपाल/ नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज (गुरुवार) ग्वालियर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संसद का सत्र समाप्त होने के बाद उनका ग्वालियर आगमन हुआ है। वे चार दिन के प्रवास पर गुना, शिवपुरी और अशोकनगर जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। ग्रामीण अंचल में बाढ़ से जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और हर जगह लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वे स्वयं प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र तक पहुँच रहा हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार



ने हर कठिन परिस्थिति में आमजन की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास किया है। केंद्र सरकार की पहल पर गृह मंत्री एवं रक्षा मंत्री से चर्चा कर, एनडीआरएफ की टीम, सेना और हेलिकॉप्टरों को पहले ही तैनात कर दिया गया था। राहत कार्य भी बड़े पैमाने पर संचलन हो चुके हैं। सिंधिया ने बताया कि एक दिन का प्रवास उन्होंने मुख्यमंत्री जी के साथ

प्रभावित क्षेत्र में किया था और अब तीन दिन का विस्तृत दौरा किया जा रहा है। इसके बाद 24 तारीख को वे दिल्ली लौटेंगे। ग्वालियर के विकास पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में तेज गति से प्रगति हो रही है और योजनाएँ जमीनी स्तर पर साकार हो रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद ग्वालियर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का कार्य भी आरंभ होगा। 2130 करोड़ का निवेश इस परियोजना में किया जाएगा, जिससे स्टेडियम की क्षमता 40,000 दर्शकों तक बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्वालियर और दिल्ली दोनों जगह से वे स्वयं हर कार्य की स्थिति पर पल-पल नजर रख रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में भारत को तेजी से आत्मनिर्भर बना रहे हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली, 21 अगस्त। सरकार ने कहा है कि भारत के भविष्य के रक्षा कार्यक्रम, सुदर्शन चक्र मिशन के संदर्भ में, पूर्वानुमानित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से भविष्य के युद्ध परिदृश्यों का पूर्वानुमान लगाना और जवाबी कार्रवाई के लिए सटीक, लक्षित प्रणालियाँ बनाना, तीन-स्तरीय लक्ष्यों में से एक है। देश के सुरक्षा परिदृश्य के व्यापक सारांश में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने कुछ आंकड़े और पिछले 11 वर्षों में विभिन्न रक्षा-संबंधी विकासों की रूपरेखा साझा की है जिसका शीर्षक है भारत की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा स्थिति में परिवर्तन। इसमें कहा गया है, अतीत के विपरीत, वर्तमान सरकार के अंतर्गत भारत एक वैश्विक शक्ति बन गया है,



एक ऐसा राष्ट्र जो मुद्दों पर दृढ़ता के साथ बोलता है। इस रूपरेखा पर विस्तार से नजर डालें तो उपर कर आता है कि पिछले 11 वर्षों के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के तहत भारत की रक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। यह बदलाव सुस्पष्ट उद्देश्य, मजबूत प्रतिरोध और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर

प्रयास से लैस है। इस सरकार ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता और इस सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु भारत अपनी क्षमता को बेहतर करने एवं ठोस तैयारी के प्रति पूरी तरह सजग रहेगा। इसके परिणामस्वरूप बाहरी एवं आंतरिक, दोनों तरह की चुनौतियों के प्रति अधिक आत्मविश्वासपूर्ण,

आधुनिक तथा सक्रिय दृष्टिकोण विकसित हुआ है। अतीत के उलट, वर्तमान सरकार के तहत भारत एक वैश्विक शक्ति बन गया है। यह एक ऐसा राष्ट्र बनकर उभरा है, जो विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय पूरी मजबूती से रखता है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भारत का रक्षा व्यय लगातार बढ़ा है, जो 2013-14 के 2.53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अब ध्यान केवल हथियार हासिल करने पर ही नहीं, बल्कि घरेलू क्षमता के निर्माण पर भी है। वर्ष 2024-25 के दौरान, रक्षा उत्पादन 1.50 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छू गया जोकि 2014-15 के उत्पादन स्तर से तीन गुना से भी अधिक है। लड़ाकू विमान, मिसाइल

प्रणालियाँ, तोपखाना प्रणालियाँ, युद्धपोत, नौसैनिक पोत, विमानवाहक पोत तथा और भी बहुत कुछ अब भारत में बन रहे हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि कैसे आत्मनिर्भरता और प्रतिरोध हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के मूल आधार बन गए हैं। पिछले एक दशक में रक्षा निर्यात चौतीस गुना बढ़कर 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये का हो गया। भारतीय उपकरण अब संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सहित 100 से अधिक देशों को निर्यात किए जाते हैं। यह सफलता सुधार और नवाचार, दोनों का नतीजा है। नियमों को सुव्यवस्थित करके, निजी क्षेत्र को अवसर प्रदान करके और स्वदेशीकरण को प्राथमिकता देकर।

भारत से बांग्लादेश विरोधी गतिविधियां नहीं, यूनूस सरकार के दावे पर भारत ने दिया दो टूक जवाब

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बांग्लादेश के उन दावों का कड़ा खंडन किया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के सदस्य भारतीय धरती पर बांग्लादेश विरोधी गतिविधियाँ चला रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। भारत सरकार को भारत में अवामी लीग के कथित सदस्यों द्वारा बांग्लादेश विरोधी किसी भी गतिविधि या भारतीय कानून के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई की जानकारी नहीं है। सरकार भारतीय धरती से अन्य देशों के विरुद्ध राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देती है। इसलिए, बांग्लादेश की अंतरिम



सरकार का प्रेस वक्तव्य गलत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बुधवार को भारत से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए कि उनका धरती से कोई भी बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश विरोधी गतिविधि न करे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार का ध्यान उन

रिपोर्टों की ओर आकर्षित किया गया है जिनमें कहा गया है कि प्रतिबंधित अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं। मंत्रालय ने भारतीय अधिकारियों से आग्रह किया कि वे किसी भी तरह से ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति या समर्थन न दें। इसमें भारतीय धरती पर प्रतिबंधित बांग्लादेश अवामी

लीग के राजनीतिक कार्यालयों को तत्काल बंद करने की भी मांग की गई। छात्रों के नेतृत्व वाले एक आंदोलन ने 5 अगस्त, 2024 को अवामी लीग की सरकार को उखाड़ फेंका, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गई। बयान में कहा गया बांग्लादेशी नागरिकों, खासकर किसी प्रतिबंधित राजनीतिक दल के फरार नेताओं/कार्यकर्ताओं द्वारा, भारतीय धरती पर कानूनी या अवैध रूप से रहकर, कार्यालयों की स्थापना सहित, बांग्लादेश के हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि, बांग्लादेश की जनता और राज्य का स्पष्ट अपमान है।



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE

2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN

ALL OVER INDIA

ENROLL NOW



SMART CLASSROOM

(ONLINE/OFFLINE)

Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com



मोहम्मद दानिश
जिला पंचायत सदस्य

वार्ड नं० 10
के भावी प्रत्याशी

सविधान संशोधन विधेयक लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कदम, पुनर्विचार करे सरकार : मायावती लखनऊ। मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, केन्द्र सरकार द्वारा कल (बुधवार को) संसद में, भारी हंगामे के बीच लाया गया 130वां संविधान संशोधन विधेयक देश में पिछले कुछ वर्षों से जारी राजनैतिक हालात में यह स्पष्टतः लोकतंत्र को कमजोर करने वाला लगता है और सत्ताधारी पार्टियां अपने-अपने लाभ, स्वार्थ व द्वेष में ज्यादातर इसका दुरुपयोग ही करेंगी, ऐसी जनता को आशंका है। उन्होंने कहा, अतः इस विधेयक से हमारी पार्टी कतई भी सहमत नहीं है। सरकार देश के लोकतंत्र एवं संविधान के हित में इसपर जरूर पुनर्विचार करे।

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का



-ललित गर्ग

गंभीर आपराधिक आरोपों में धिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजना का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामे को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजुबाने के बाद से कतिपय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में सलिपन पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है। और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकेगा न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में टोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, काँग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस मंत्री विधेयक की अपेक्षा सामने आई। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, मनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा के केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और पारदर्शी हो सके। शुचितता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए। भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर अपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी प्रृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमित अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की कालाकत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता अपने सुशा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पन-प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केसरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे। आज देश विकसित भारत के संकल्य की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सालन स्वतः उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागि नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति स्कूल, समाज के लिए घातक



अशोक भाटिया

आज के दौर में बच्चों में गुस्सा और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। छोटी-सी बात पर मारपीट या आक्रामक व्यवहार कई बार गंभीर अपराधों का रूप ले लेता है। ऐसे चिंता को और गहरा कर देती है। इसे में माता-पिता की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। दरअसल, पहले सवाल यह उठता है कि मासूम उम्र, जहां पढ़ाई-खेलकूद और सपनों की उड़ान होनी चाहिए, वहां खून-खराबा क्यों?

हाल ही में सामने आई अहमदाबाद की घटना, जिसमें 8वीं कक्षा के छात्र ने 10वीं के स्टूडेंट की हत्या कर दी। इस घटना ने सांभ्रदायिक रंग भी ले लिया। आरोपी छात्र अल्पसंख्यक समुदाय से है, जबकि पीड़ित सिंधी समाज से था। उसके पहले दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, चेन्नई समेत देश के कई हिस्सों में स्कूलों के अंदर कुछ छात्रों द्वारा किसी छात्र या शिक्षक की हत्या। इसके अलावा हाल ही में दिल्ली के ज्योति नगर इलाके के एक सरकारी स्कूल में कुछ छात्रों ने 10वीं के छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक बड़े निजी स्कूल में हुई बहुचर्चित प्रद्युम हत्याकांड समाज को झकझोर कर रख देने वाली घटना है। उधर, गुजरात के वड़ोदरा में एक छात्र की चाकू से 31 बार बार कर हत्या कर दी गई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु की राधनगरी चेन्नई के सेंट पेरी एंग्लो इंडियन स्कूल में 12वीं कक्षा के एक छात्र ने प्रधानाचार्य की हत्या कर दी।

देशभर में इस तरह की कई घटनाएं हैं, जो स्कूली छात्रों में पनप रही हिंसा की प्रवृत्ति की ओर इशारा करती हैं। ये घटनाएं समाज के लिए खतरे की घंटी हैं। मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की मानें तो स्कूली छात्रों के मन में भरी कुंठा, ईर्ष्या और असहिष्णुता के कारण स्कूली बच्चे इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे समाज के लिए खतरा बनती जा रही है।

इस संदर्भ में सवाल उठते हैं कि आखिर वे बच्चे अपने साथ कोई घातक चीज लेकर कैसे स्कूल आ गए। क्या बच्चों के थैले या बस्ते की जांच का कोई नियम नहीं है? इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिये थे कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच करने के लिए एक समिति बनाई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यार्थियों के पास ऐसी कोई सामग्री न हो, जिसका उपयोग किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सके। जाहिर है, इस व्यवस्था के पीछे सरकार की मंशा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है, ताकि उनके बीच कोई मामूली विवाद जानलेवा हमले में न तब्दील हो जाए। अगर किसी छात्र के पास कोई हथियार नहीं रहेगा, तब गंभीर हिंसा की स्थिति नहीं बनेगी और आपसी विवाद को सुलझाने की गुंजाइश बनी रहेगी।

मगर सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा सके है। पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को भीतर तक की गतिविधियों को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार के पास क्या योजना है?

बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर काम किया जाए।

बचपन में हिंसा के संपर्क और किशोरावस्था में व्यवहार संबंधी समस्याओं के बीच संबंधों की जाँच 88 प्रसूति किशोर माताओं और उनके बच्चों के नमूने में की गई। प्रयोगमन विशेषणों से पता चला कि 10 वर्ष की आयु से पहले हिंसा और उत्पीड़न के प्रत्यक्षदर्शी होने से, प्रसवपूर्व मातृ और प्रारंभिक बचपन की बाढ़ा समस्याओं को निर्णीत करने के बाद भी, अपराध और हिंसक व्यवहार की भविष्यवाणी की जा सकती है। मध्य बाल्यावस्था के दौरान सामाजिक योग्यता और अवसाद ने लड़कियों के लिए उत्पीड़न और हिंसक व्यवहार के बीच संबंधों को नियंत्रित किया, लेकिन लड़कों के लिए नहीं: सामाजिक योग्यता और अवसाद के निम्न स्तर उन किशोर लड़कियों में अपराध के जोखिम कारकों के रूप में कार्य करते हैं जिन्होंने बचपन में उत्पीड़न का अनुभव किया था। इन निष्कर्षों के युवा हिंसा निवारण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉक्टर नवीन कुमार ने स्कूली छात्रों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के बारे में कहना है कि स्कूली बच्चों द्वारा हिंसा कुंठा कि बदलाव का नतीजा है। स्कूली बच्चों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के पीछे तीन कारण हैं, जिसमें पहला है कि परिवारों का बच्चों से संवाद कम हो गया है। माता पिता बच्चों की अधिक समय नहीं दे पा रहे हैं जिस

कारण बच्चों में नैतिक मूल्य का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इससे बच्चों में सहयोग व सद्भाव वाली भावना घट रही है। दूसरा कारण है शिक्षा प्रणाली। जब तक स्कूली बच्चों की शिक्षण प्रणाली सही नहीं होगी, तब तक वे मानसिक दबाव और तनाव में रहेंगे ही। वे कब क्या कर बैठेंगे, कोई नहीं जानता।

डॉक्टर कुमार ने आगे बताया कि तीसरी बात कि स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली बातें सैद्धांतिक होती हैं, जो बच्चों की रूचि को संतुष्ट नहीं कर पाती हैं। बच्चों को स्कूलों में नियंत्रित वातावरण में एक स्थान पर बैठा दिया जाता है, जिस कारण उन्हें शिक्षकों से वन टून बातचीत करने में दिक्कत होती है। डॉक्टर कुमार का कहना है कि महानगरीय संस्कृति में और हालात भी बुरे हैं। बच्चे के घर पर आने के बाद उसके मनोभाव व समस्याओं को जानने वाला कोई नहीं रहता। ऐसे में बच्चों को जो ठीक लगता है, वे करते हैं।

क्या इसके लिए समाज भी जिम्मेदार है, इस सवाल पर कहना था कि अगर किसी बच्चे ने सफलता पा ली तो ठीक है, लेकिन अगर वह सफल नहीं हुआ तो परिवार से लेकर समाज तक में उसे कोसा जाता है। ऐसे में उसमें कुंठा बढ़ेगी ही। बचपन आनंद काल होता है, जहां उसके गुणों और आत्मविश्वास का निर्माण होता है, लेकिन स्कूलों में 70 से 80 फीसदी बच्चों को पता ही नहीं होता कि उसे आगे करना क्या है।

डॉक्टर कुमार के अनुसार समाज अब आत्मकेन्द्रित होने की ओर बढ़ रहा है, समाज में सफलता का पैमाना आईएएस, आईपीएस और बड़ा व्यापारी मान लिया गया है, लेकिन अच्छा मनुष्य बनने की भावना में कमी आई है। समाज में आम और विशेष की खाई बढ़ी है। समाज में सफलता की परिभाषा हो गई है: शक्तिशाली। जो शक्तिशाली है वह अपना प्रभुत्व कायम कर लेगा। समाज आपको तभी मानेगा जब

आप आईपीएस, बड़े व्यापारी या राजनेता होगे। र उनके अनुसार यह एख बहुत ही खतरनाक चलन बन गया है। वे कहते हैं कि देश में कोई शिक्षा प्रणाली। जब तक स्कूली बनावता और इसी तरह से मौलिक चीजों को भी नजर अंदाज किया जा रहा है। इन घटनाओं पर स्कूलों द्वारा लगाम लगाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल बच्चों का ध्यान रचनात्मक गतिविधियों में लगाएँ, सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान न दें, सिर्फ पाठ्यक्रम पढ़ाने से बच्चों का भला नहीं होगा। उन्हें तैराकी सिखाएँ, कहीं घूमने ले जाएँ या खेल की गतिविधियों में शामिल होने को कहें। साथ ही बच्चों से वन टू वन संवाद में तदनकीक पैदा करना भी जरूरी है, ताकि उनमें संवेदना जागे। उन्हें बाहर ले जाकर उन गरीब बच्चों से मिलाएँ, जिन्हें वे सब सुविधाएँ नहीं मिल रही हैं। इन उपायों से बच्चों की प्रवृत्ति में बदलाव आएगा।

अभिभावकों की तरफ से बच्चों की परवरिश में कोताही भी उनके इस रवैये के लिए जिम्मेवार है। डॉक्टर कुमार के अनुसार अभिभावकों को बच्चों से लगातार संवाद करना चाहिए। उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए। अभिभावकों को बातचीत करके समझना चाहिए कि बच्चा क्या चाहता है और यही वह वक्त होता है, जब उसमें कुंठा का भाव उत्पन्न होता है। अगर हम उसे सीधे मना करेंगे तो वह हताश होगा, लेकिन जब हम उसे प्यार से समझाएंगे तो उसमें जागरूकता आएगी, जो काफी महत्वपूर्ण है।

कई लोगों का मानना है कि इक्कीसवीं सदी में हो रही हिंसा और विनाशकारी व्यवहार, कई पीढ़ियों से समाज में बिगड़ती सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का परिणाम है। बच्चे और युवा कई तरह के कारणों के संपर्क में आते हैं जो हिंसा से जुड़े हैं। घर पर, वे हिंसा और दुर्व्यवहार (शारीरिक, भावनात्मक और यौन) के संपर्क में आ सकते हैं या उसके

शिकार हो सकते हैं; उनका पालन-पोषण ऐसे माता-पिता, अभिभावकों या अन्य देखभाल करने वालों द्वारा किया जा सकता है जो नशीली दवाओं या शराब का दुरुपयोग करते हैं या जिनके पालन-पोषण के कौशल कमजोर हैं; या वे किसी ऐसे परिवार में रह सकते हैं जो बिखरा हुआ है। इसके अतिरिक्त, कई बच्चे गरीबी, भेदभाव और बिगड़ते पड़ोस के प्रभावों को महसूस करते हैं। आक्रामकता और हिंसा के अन्य जोखिम कारकों में हैंडेशन जैसे हथियारों तक आसान पहुंच और नशीली दवाओं और शराब, गिरोहों या अन्य असामाजिक समूहों के साथ काम उम्र में जुड़ाव और संपर्क, और मीडिया और ऑनलाइन में दिखाई जाने वाली हिंसा का व्यापक संपर्क शामिल है।

स्कूल हिंसा के इतने व्यापक होने का एक कारण इंटरनेट और चौबीसों घंटे चलने वाले टेलीविजन समाचार चैनलों द्वारा सूचनाओं के प्रसारण की तात्कालिकता है। कुछ समाजशास्त्रियों का मानना ​​है कि मीडिया हिंसा को बढ़ा-चढ़ाकर और सनसनीखेज बनाकर पेश करता है, और इसका इस्तेमाल कुछ लोग बच्चे को हिंसा और आवास जैसी अन्य सामाजिक समस्याओं से ध्यान हटाने और वित्तीय संसाधनों के बर्बाद करने के लिए करते हैं। संघर्ष सिद्धांतकार, विशेष रूप से, स्कूलों में हिंसा पर ध्यान केंद्रित करने की निंदा करते हैं। वे कहते हैं कि स्कूलों में (विशेषकर आंतरिक शहरों में) हिंसा एक सतत समस्या रही है, लेकिन जब पीड़ित मध्यम वर्ग से आते हैं, तो राजनेता कानूनी उपाय लागू करने का प्रयास करते हैं। दूसरी ओर, नारीवादी सिद्धांतकारों का मानना ​​है कि स्कूलों में हिंसा करने वाले आमतौर पर पुरुष होते हैं, और पीड़ित अक्सर महिलाएँ होती हैं। परिणामस्वरूप, वे अक्सर स्कूलों में हिंसा को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का एक प्रकार मानते हैं।

आवारा इंसान और जानवर दोनों ही हैं समाज के लिये बड़ा खतरा



-अजय कुमार

भारत का बहुसंख्यक समाज भावनात्मक रूप से काफी सीधा-साधा और प्रकृति प्रिय प्रेमी माना जाता है। यहां इंसान से ज्यादा कभी-कभी जानवरों के प्रति करुणा और श्रद्धा दिखाई जाती है। सड़कों पर बेठी गायों को देखकर लोग हाथ जोड़ लेते हैं, कुत्तों को बिरिक्त खिलाने पर लोग खुद को दयालु समझते हैं और सोशल मीडिया पर हैशटैग चलाकर खुद को पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन इस चमकौली तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कई मौकों पर यह करुणा खोखली हो जाइ जिम्मेदारी से बचने का बहाना नजर आती है। भारत की सड़कों पर घूमते लाखों आवारा जानवर इस बात के गवाह हैं कि भावनाओं के नाम पर हम सिर्फ नाटक कर रहे हैं, असल में न तो उनकी देखभाल करते हैं और न ही इंसानों की सुरक्षा का ख्याल रखते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि

चाहें आवारा इंसान हो या आवारा जानवर दोनों ही समाज के लिये बड़ा खतरा हैं। ऐसे लोगों से बच के रहने में ही समाज का भला है।

जरा कल्पना कीजिए, ट्रैफिक जाम के बीच कीचड़ और धूल में सनी एक गाय प्लास्टिक की थैली चबा रही है। लोग उसे देखकर आगे निकल जाते हैं। कोई यह नहीं सोचता कि जिस थैले को वह खा रही है, उसको सड़क पर फेंकने के लिये हम ही जिम्मेदार हैं। वही थैली उसकी मौत का कारण तब बन जाती है। उसी सड़क पर कुछ ही दूरी पर दर्जनों कुत्ते कूड़े में पड़ी हड्डियों को लेकर लड़ रहे हैं। इंसान का फेंका हुआ कचरा उनके लिए जीवन का सहारा बनता है। यही तस्वीरें बाद में किसी दयालु शहरी के मोबाइल हैं, लेकिन असल जिंदगी में वही लोग ऐसे जानवरों को मरने-जीने के लिए सड़क पर छोड़ देते हैं। 2019 की पशु गणना के अनुसार, भारत में करीब 50 लाख आवारा गायें हैं। यह संख्या किसी बाहरी संकट की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी लापरवाही से है। करीब 95 प्रतिशत गायें वे हैं जिन्हें डेयरी किसान दूध न देने की स्थिति में खुला छोड़ देते हैं। उनका तर्क यह है कि अगर वे इन्हें पालेंगे तो चारे का खर्च बढ़ेगा, इसलिए उन्हें शहर की सड़कों पर

घूमने दिया जाता है जहां वे कूड़े में मुंह मारें और प्लास्टिक खाकर धीरे-धीरे बीमार पड़ जाएं। गायों के पेट प्लास्टिक से भर जाते हैं, उनकी आंतें खराब हो जाती हैं और सड़कें गोबर से पट जाती हैं। लेकिन जिम्मेदारी कौन ले? गाय तो सबकी मां है, तो कोई न कोई उसकी देखभाल कर ही लेगा यही सोच सबके मन में रहती है और समस्या जस की तस बनी रहती है।

गायों की तरह ही कुत्तों की समस्या और भी भयावह है। भारत दुनिया का वह देश है जहां सबसे ज्यादा आवारा कुत्ते हैं करीब 6 करोड़। इसका मतलब यह हुआ कि भारत की 1.4 अरब आबादी में हर 23वां इंसान एक आवारा कुत्ते के साथ बंधा हुआ है। यह आंकड़ा सुनने में भले ही दिलचस्प लगे लेकिन इसके दुष्परिणाम बेहद खतरनाक हैं। हर साल भारत में करीब 37 लाख लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं। दुनिया में रेबीज से होने वाली कुल मौतों में 36 प्रतिशत अकेले भारत में होती हैं। यह भीषण आंकड़ा बताता है कि हमारी करुणा जानलेवा साबित हो रही है। हाल ही में सिर्फ दिल्ली में ही 2025 के मध्य तक 35,000 से ज्यादा कुत्ता काटने की घटनाएं और करीब 50 मौतें दर्ज की गईं। यानी यह समस्या अब केवल जानवरों की नहीं

रही, यह सीधे इंसानों के जीवन के लिए खराा बन चुकी है।संभवता इसी सब को ध्यान में रखकर सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिये सख्त आदेश जारी किया है। लेकिन इस खतरे को भांप लेने के बावजूद हमारे समाज और सरकार का रवैया दुलमुल ही है। राजनेता गाय को वोट का साधन बना देते हैं, नगरपालिकाएं पशु नियंत्रण को गूँठे भरने जैसे छोटे-मोटे काम की तरह लेती हैं, और शहरी अभिजात्य वर्ग कुत्तों की रील बनकर सोशल मीडिया पर वाहवाही लूट लेता है। इस पूरे खेल में कहीं भी जिम्मेदारी नजर नहीं आती। यही कारण है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली के दस लाख कुत्तों को कहीं और सिपट करने की योजना बनाई तो देश भर में आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसे नरसंहार करार दिया। निश्चित ही कुत्तों के जीवन का अधिकार है और उन्हें अमानवीय आश्रयों में डालना सही नहीं, लेकिन सवाल यह है कि इस समस्या का समाधान कौन देगा? क्या सिर्फ गुस्सा दिखाकर या मोमबत्ती जलाकर समस्या खत्म हो जाएगी?

कुत्तों की आबादी का गणित डरावना है। एक अंशक़्रमि़त मादा कुत्ता, अगर लगातार छह साल तक बच्चे पैदा करे, तो उससे सैकड़ों दिया था। मई 2025 में लखनऊ में इसे 'महिला सुरक्षा टीम' नाम दिया गया। फिर भी, ज़मीनी हकीकत अलग है। फरवरी 2025 में रिपोटर्स आई कि 2022 चुनावों से पहले आलोचना के कारण स्क्वांड को स्केल बैक कर दिया गया था। अब पुलिस स्कूल-कॉलेजों के बाहर नजर नहीं आती।मनचले बेखोफ हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि सजा का डर कम हो गया है। यह दीलापन नहीं, अपराध को बढ़ावा देना है!

ये रोमियो बनने वाले शैतान सिर्फ छेड़छाड़ नहीं करते, वे महिलाओं की आजादी छीनते हैं।एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 90 प्रतिशत महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर छेड़छाड़ का शिकार होती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहां बेटियां शिक्षा के लिए संघर्ष कर रही हैं, ये घटनाएं उन्हें घर बैठाने पर मजबूर कर देती हैं।याद कीजिए 2017 को, जब एंटी-रोमियो स्क्वांड ने शुरूआती की थी, तब मनचलों में खोफ था। लेकिन अब? ये स्क्वांड कभी-कभी मोरल पुलिसिंग में बदल गए, लेकिन मूल मकसद तो महिलाओं की सुरक्षा था। आज जरूरत है सख्ती की, न कि नाम बदलने की। लखनऊ से लेकर उन्नाव तक, हर जिले में पुलिस को 24७7 गश्त करनी चाहिए। इन

पिल्ले पैदा हो सकते हैं।यानी अगर अभी कदम न उठाया गया तो आने वाले वर्षों में भारत की सड़कें कुत्तों से भर जाएंगी।इसे रोकने का उपाय केवल संगठित नसबंदी और टीकाकरण अभियान ही है। हमें यह समझना होगा कि यह उतना ही जरूरी है जितना कभी पोलियो का उन्मूलन था।जब पोलियो को खत्म किया जा सकता है तो आवारा पशुओं की समस्या भी सुलझाई जा सकती है, बशर्ते कि नीतियों में कठोरता और जवाबदेही दोनों हों। समाधान की बात करें तो गायों के लिए जरूरी है कि हर मवेशी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो। अगर कोई किसान उन्हें सड़क पर छोड़ता है तो उस पर जुर्माना लगे और गाय जब्त हो।सब्सिडी वाली गौशालाओं को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जाए और उन्हें फंडिंग सीधे उस आधार पर मिले कि कितनी गायों की देखभाल वे कर रहे हैं। यह पैसा किसी राजनेता की जेब में नहीं समा जा चाहिए, बल्कि सीधे उस गौशाला में पहुंचे। इसी तरह कुत्तों के लिए सामूहिक नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना होगा। हर जिले में कुत्ता नियंत्रण बोर्ड बने जिसका वार्षिक ऑडिट हो और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। इसके लिए धन कहां से आएगा? सवाल वाजिब है

लेकिन उसका जवाब भी उतना ही आसान। जब मूर्तियों, रैलियों और चुनावी वादों पर अरबों रुपये खर्च किए जा सकते हैं तो जानवरों और इंसानों की सुरक्षा पर क्यों नहीं? हर परिवार से छोटा-सा डॉग टैक्स लिया जा सकता है, सांसद निधि और विधायक निधि का एक हिस्सा इस दिशा में खर्च किया जा सकता है, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के जरिए धन जुटाय़ा जा सकता है। इस अभियान पर जो पैसा आज खर्च करेंगे, वह भविष्य में हजारों-लाखों समस्याओं से बचाएगा। जयपुर मॉडल इसका सफल उदाहरण है। 1994 में नगर निगम और एक एनजीओ ने मिलकर इसे शुरू किया था।इसमें कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है और फिर उन्हें छोड़ा जाता है। इससे कुत्तों की आबादी नियंत्रित होती है और रेबीज के मामले घटते हैं। प्रति कुत्ते पर 800 से 2,200 रुपये का खर्च आता है जो नगर निगम और जनता की ओर से दिए गए दान से पूरा होता है। अगर यही मॉडल पूरे देश में अपनाया जाए, डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जाए और इसे महापौरों व जिला कलेक्टरों की प्रदर्शन रिपोर्ट का हिस्सा बनाया जाए, तो समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

मनचलों को पकड़कर ऐसी सजा दो कि वे जिंदगी भर याद रखें।कानून तो है, आईपीसी की धारा 354 (महिला की गरिमा भंग करना), लेकिन अमल कहां? सोचिए, एक कॉलेज स्टूडेंट रोजाना घर से निकलती है, लेकिन मन में डर रहता है? क्या आज सुरक्षित पहुंचूंगी? ये डर इन रोमियो की वजह से है, जो खुद को हीरो समझते हैं लेकिन असल में विलेन हैं। समाज को इनसे घृणा करनी चाहिए। माता-पिता, शिक्षक, और युवा सबको मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठानी होगी। सरकार से मांग है वह एंटी-रोमियो स्क्वांड को फिर से पूरी तरह से एक्टिव करे,

रियलमी ने पेश की रियलमी पी4 सीरीज

पटना(भारतिय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने अपनी रियलमी पी4 सीरीज पेश करते हुए इसमें दो बेहतरीन स्मार्टफोन रियलमी पी4 प्रो और रियलमी पी4 लॉन्च किए। इन स्मार्टफोन में सर्म्पतित हार्डयर विजन एआई चिप, स्नैपड्रैगन 7 जेन 4 प्रोसेसर, ड्युअल 50 मेगापिक्सेल का एआई कैमरा, 144 हर्ट्ज का हाईपर रफो एमोलेड डिस्प्ले, 7,000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी हैं, जिनकी मदद से रियलमी पी4 सीरीज इस मूल्यवर्ग में यूनर्स को अपनी अपेक्षाओं से बेहतर स्मार्टफोन पेश कर रही है। यह क्रमशः 20,000 रुपये और 15,000 रुपये के मूल्यवर्ग में अब तक का सबसे बेहतर ड्युअल-लन्प स्मार्टफोन है। रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, फ्रैंसिस वॉंग ने कहा, रियलमी पी4 सीरीज के साथ हमने ई-कॉमर्स के क्षेत्र में जबरदस्त वापसी की है। टू प्लेनशिप की परिभाषाएं बदल रही हैं। अब प्लैगैशिप का मतलब केवल टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि उसी साझा करी का विजन है। ये अपनी श्रेणी के हर स्मार्टफोन से बेहतर और 20,000 रुपये से कम मूल्यवर्ग में अब तक के सबसे अच्छे स्मार्टफोन हैं।

केपी गुप की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार योजना
मुंबई। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी नाम केपी गुप, 2030 तक 10 गीगावाट क्षमता तक पहुंचने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ अपने विस्तार को आगे बढ़ा रहा है। गुजरात में पहले से ही चल रही परियोजनाओं के साथ, यह गुप राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसे मजबूत ऑर्डर बुक और सरकारी सझेदारियों का समर्थन प्राप्त है। केपी गुप ने 2.6 गीगावाट से अधिक क्षमता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए गुजरात, ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, साथ ही अन्य राज्यों में नए अवसरों की तलाश भी कर रहा है। यह गुप अब तक 2.05 गीगावाट क्षमता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को ऊर्जा प्रदान कर चुका है और 3.2 गीगावाट से अधिक के ऑर्डरों की पुष्टि कर चुका है। केपी गुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, डॉ. फारुक जी पटेल ने कहा, हमारा ध्यान ऊर्जा के भविष्य पर है। भारत में स्वच्छ ऊर्जा की माँग तेजी से बढ़ रही है और हम इसे पूरा करने में एक सार्थक भूमिका निभाना चाहते हैं। राज्य सरकारों, खासकर गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा के साथ हमने जो साझेदारियों की हैं, वे तो बस एक शुरुआत हैं। हम आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी अवसरों का मूल्यांकन कर रहे हैं। जबकि महाराष्ट्र में काम शुरू हो चुका है। हम सौर, पवन और हाइड्रिड परियोजनाओं के जरिए 10 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता को पार करने की राह पर हैं। गुप की प्रमुख कंपनी, केपीआई ग्रीन एनर्जी, कच्छ के खावड़ा में गुजरात के सबसे बड़े 645 मेगावाट क्षमता वाले निजी सौर पार्क की मालिक है और इसका संचालन करती है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने अत्याधुनिक सौर ऊर्जा से चलने वाली रिमोट से संचालित रोबोटिक सौर पैनल सफाई प्रणाली लागू की है। इसी तर्ज पर, गुजरात के विभिन्न स्थलों पर 730 से अधिक ऐसे रोबोट तैनात किए गए हैं। अपने मौजूदा पोर्टफोलियो को मजबूत करने के साथ-साथ, केपी गुप स्वच्छ ऊर्जा के नए क्षेत्रों पर भी काम कर रहा है। भरूच में आगामी 1 मेगावाट की हरित हाइड्रोजन पायलट परियोजना, उभरती हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में इसके प्रवेश को व्द्विधित करेगी। यह गुप भरूच के पास एक अग्रणी अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजना शुरू करने के लिए तैयार है, और तमिलनाडु में इसी तरह की परियोजनाओं के लिए अध्ययन चल रहा है। इसके अलावा, विश्वसनीय भंडारण समाधानों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए 5 मेगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (इएर) परियोजना पर भी काम चल रहा है।

ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल और मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की सफल साझेदारी
मुंबई। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 पेजेंट के सफल समापन के बाद, ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल ने ऑफिशियल प्रोफेशनल ब्यूटी पार्टनर के रूप में अपनी गर्व भरी साझेदारी को याद किया। यह सहयोग, जिसने अपने-अपने क्षेत्रों में दो दिग्गजों को एक साथ लाने वाले इस सहयोग ने ताज तक पहुंचने की राह में प्रतियोगियों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे पेजेंट के दौरान, ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल के उत्कृत पेशेवर सौंदर्य उत्पादों की रेंज का उपयोग शीर्ष ब्यूटीशियनों द्वारा प्रतियोगियों की प्राकृतिक सुंदरता को निखारने के लिए किया गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे हर स्टेज पर — प्रारंभिक राउंड और फोटोशूट से लेकर ग्रैंड फिनाले तक — सबसे अच्छी दिखें और महसूस करें। इस साझेदारी ने उत्कृष्टता, आत्मविश्वास और सुंदरता के सभी रूपों के उत्सव के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

डाबर इंडिया लिमिटेड के रिस्कन केयर मार्केटिंग हेड, श्री विराट खन्ना ने कहा, हमिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए सम्मान की बात है। प्रतियोगियों को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ चमकते हुए देखना, यह जानते हुए कि हमारे उत्पादों ने उनके चमकदार रूप में योगदान दिया, अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक था। यह साझेदारी हमारे ब्रांड के हर व्यक्ति का सम्मान करने और उसे सशक्त बनाने के दर्शन का एक सच्चा प्रमाण है। यह सहयोग फाइनल स्टेज से भी आगे बढ़ा, जिसमें ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल के उत्पादों और विशेषज्ञता को सभी प्रमुख कार्यक्रमों और यूनिवर्स सत्रों में एकीकृत किया गया। ब्रांड की उपस्थिति ने पेशेवर नवाचार के प्रति इसके समर्पण और सौंदर्य उद्योग के भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। डाबर इंडिया लिमिटेड के होम एंड पर्सनल केयर की डिजिटल लीड, जसलीन कोहली ने कहा, डिजिटल मार्केटिंग में, यह सब प्रामाणिक संबंध बनाने के बारे में है। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल सिर्फ उत्पादों का प्रदर्शन नहीं कर रहा है, बल्कि एक ऐसा प्रेरणादायक सफर बना रहा है जो पूरे भारत में महिलाओं को उनकी प्राकृतिक चमक और आत्मविश्वास को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। ऑक्सीलाइफ सैलून प्रोफेशनल और मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 पेजेंट के बीच की साझेदारी एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसने सुंदरता, प्रतिभा और सशक्तिकरण का जश्न मनाने वाली एक शक्तिशाली तालमेल कोर प्रदर्शित किया।

गोदरेज एग्रोवेट ने मक्का फसल के लिए नया हर्बिसाइड अशिताका लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी कृषि-व्यवसाय कंपनी में से एक गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने मक्के की फसल के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक नया शाकनाशी (हर्बिसाइड) 'अशिताका' लॉन्च किया है। आइए इसके सहयोग से विकसित यह अभिनव समाधान, मक्के की खेती में सबसे बड़ी चुनौती माने जाने वाले घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। फसलों के शुरूआती विकास चरणों में खरपतवारों का प्रकोप मक्के की उत्पादकता पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है। 'अशिताका' को खरपतवारों में 2-4 पतियां होने पर उपयोग करने की सलाह दी जाती है, जिससे यह खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। वैश्विक स्तर पर मक्का की खेती के क्षेत्रफल में भारत चौथे और वार्षिक उत्पादन में पांचवें स्थान पर है। देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था और मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग के कारण पशु-प्रोटीन, स्टार्च और अन्य औद्योगिक उत्पादों (जिनमें मक्का का उपयोग होता है) की खपत लगातार बढ़ रही है। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में, पशुओं के चारे, औद्योगिक एवं बायोमैथुल उपयोग हेतु मक्का की मांग में इजाफा हो रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषि-इनपुट की सीमित उपलब्धता। साथ ही जलवायु परिवर्तन भी एक गंभीर खतरा है, क्योंकि चरम मौसमी परिस्थितियाँ, बारिश का असमान पैटर्न, कीट एवं बीमारियों का प्रकोप मक्का उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में अशिताका जैसे शोध-आधारित समाधानों का आना बेहद जरूरी है ताकि उपज बढ़ाई जा सके और फसल का महत्व बनाए रखा जा सके। लॉन्चिंग के अवसर पर, राजावेतु एन.के., सीईओ (क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस), गोदरेज एग्रोवेट ने कहा, 'गोदरेज एग्रोवेट में हमारा मिशन है कि हम नवोन्मेयी और शोध-आधारित समाधान प्रदान करें, जो भारतीय किसानों को सशक्त बनाएं और खेती करने वाले परिवारों के जीवन को बेहतर बनाएं।'

समता के रास्ते सभी की समस्याओं का समाधान ही सच्ची लोकसेवा : पालकमंत्री गणेश नाईक

पालघर(उत्तरशक्ति)/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के आम नागरिकों की समस्याओं का समात के मार्ग से समाधान करना ही सच्ची लोकसेवा है। वे जव्हार ने आयोजित जनता दरबार में वे नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। जनता दरबार में लगभग 150 निवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सड़क, बिजली आपूर्ति, पानी, शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों की जरूरत स्थिति, स्वास्थ्य सेवाएं, भूमि अधिग्रहण और मुआवजा जैसे मुद्दों पर नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। पालकमंत्री गणेश नाईक ने स्पष्ट किया कि पिछले कुछ वर्षों में विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और यदि गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधितों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में विकास कार्यों के लिए सभी विभागों को उचित निधि उपलब्ध कराई जाएगी और जल्द से जल्द कार्यवाही शुरू होगी। शासन की भूमिका है कि किसी भी प्रकार का

गौमाताओं पर लंपी रोग का प्रकोप, ग्रामीण ने घर को बनाया उपचार केंद्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के दहानू क्षेत्र में गौमाताओं पर लंपी रोग का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कई गौमाताएं इस गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। इस संकट की घड़ी में स्थानीय ग्रामीण ऋषिकेश मालवीय ने अपने घर को ही गौमाताओं के उपचार केंद्र में बदल दिया है। ऋषिकेश मालवीय, अपनी टीम के सहयोग से, बीमार गौमाताओं का इलाज वीआरके कामधेनु उपचार केंद्र की मदद से कर रहे हैं। उन्होंने बीमार गौमाताओं को अपने घर में रखकर सेवा और देखभाल शुरू की है। हालांकि, उनके अनुसार स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि कई गौमाताओं को समय पर उपचार और दवाइयों नहीं मिल पा रही हैं। ऋषिकेश का कहना है कि उन्होंने अपनी पूरी कोशिश से गौमाताओं की सेवा का कार्य शुरू किया है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण उन्हें भारी



दिवक्तों का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि अब तक पशु चिकित्सा विभाग की ओर से उन्हें कोई सहायता नहीं मिली है। गौसेवक ऋषिकेश मालवीय ने प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग से तत्काल मदद की गुहार लगाई है, ताकि और अधिक गौमाताओं की जान बचाई जा सके। ग्रामीणों ने भी इस गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

कल्याण पूर्व की सड़कों पर गड्डों से नागरिक बेहाल

तत्काल गड्डे मुक्त किया जाए सड़क - महेश गायकवाड़ की चेतावनी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कोलसेवाडी, चिंचवाडा, नांदेवली,गोवेली, दत्तावाडी समेत प्रमुख मार्गों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि जगह-जगह गहरे गड्डे बन गए हैं। इन गड्डों के कारण नागरिकों का जीवन दांव पर लग गया है और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर शिवसेना के पूर्व नगरसेवक महेश दशरथ गायकवाड़ ने कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका आयुक्त को पत्र देकर तुरंत सड़क मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की। गायकवाड़ ने चेतावनी दी कि अगर गणेशोत्सव से पहले सड़कों के गड्डों को नहीं भरा गया, तो शिवसेना कार्यकर्ता मणपा



अधिकारियों का ही प्रतीकात्मक विसर्जन करेंगे। गायकवाड़ ने कहा कि बारिश के दिनों में गड्डों की वजह से वाहनों का संतुलन बिगड़ जाता है और पैदल चलने वाले नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना



भेदभाव किए बिना आम जनता की समस्याओं का समाधान किया जाए। पालकमंत्री नाईक ने आगे कहा कि पर्यावरण विभाग के तहत वायु और जल प्रदूषण

रोकने के केलिए ठोस कदम उठाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर कड़ी कार्यवाही होगी। इसके साथ ही, ग्रामविकास, वनाधिकार,

प्रेम जाल में फंसाकर नाबालिग युवती को किया गर्भवती, नवजात शिशु को कचरे की ढेर में फेंके जाने का पर्दाफाश

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के बारवे गांव स्थित शिव मंदिर के पास फेंकी गई नवजात बच्ची मामले को खड़कपाड़ा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गुरुवार को पत्रकार परिषद के माध्यम से कल्याण के एसपीओ कल्याण जी घेते और खड़कपाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमरनाथ वाघमोड़े ने बताया कि रोहित प्रदीप पांडेय नामक युवक जो कि डिलेवरी बांध का काम करता है। बारवे गांव के एक नाबालीग युवती को प्रेम जाल में फंसाकर उसके साथ शारीरिक सबन्ध बनाया,जिसके कारण वह गर्भवती हो गई। स्वतंत्रता दिवस के दिन नाबालीग लड़की ने स्त्री जाति के बच्ची को जन्म दिया। उसके बाद

खड़कपाड़ा पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार



यह कुकर्म किसी को पता न चलपाये इसके लिए उस नवजात बच्ची को शिवमन्दिर के पास कचरे की ढेर में मरने के लिए फेंक दिया। 17 अगस्त की सुबह जब बच्ची को रोने की

आवाज आई तो गांव वाले इकट्ठा हो गए और बच्ची को वहां से उठाने के बाद विश्वास विठ्ठल मिरकुटे नामक ग्रामवासी ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद

किया। पुलिस ने यह भी बताया कि बच्ची और उसकी नाबालिग मां दोनों ठीक हैं दोनों को अस्पताल में इलाज जारी है। इस पूरे मामले की जांच जारी है।

जनआगाज फाउंडेशन का अंधेरी में हुआ शंखनाद भारी संख्या में एकत्र हुए लोग

♦गरीब बच्चियों की शादी, शिक्षा, चिकित्सा और न्यायिक सहायता होगी मुख्य प्राथमिकता - अजय यादव

आचार्य सूरजपाल यादव मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पश्चिम स्थित कट्टी क्लब में जनआगाज फाउंडेशन की भव्य शुरुआत शंख बजाकर की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, शिक्षाविद् और समाजसेवक शामिल हुए। जनआगाज का अर्थ है जन आंदोलन की शुरुआत। इसी सोच के साथ फाउंडेशन की स्थापना की गई है। ह्यजनआगाज फाउंडेशनह के अध्यक्ष अजय यादव ने कहा कि राजनीति में रहकर वे जनता की सभी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने निःस्वार्थ समाज सेवा के लिए जनआगाज फाउंडेशन की नींव रखी। अजय यादव ने कहा हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों और जातियों को साथ लेकर समाज सेवा ही हमारा मकसद है। गरीब बच्चियों की मुफ्त शादी, विद्यार्थियों को शिक्षा में



सहयोग, जरूरतमंदों की चिकित्सा मदद और आम लोगों को न्यायिक व प्रशासनिक सहायता दिलाना हमारी प्राथमिकता होगी। फाउंडेशन का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और नागरिकों की समस्याओं के समाधान में सहयोग देना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. रामनरेश यादव, एस एन यादव, हाफिज खान, एन. शेख, बाला यादव, सुभाष यादव, कुशल सिप्पा, नासिर अंसारी, मनोज गौड, सुरेश विश्वकर्मा, विजय शंकर कंटवेळे, सुनील वाघमारे, बालकृष्ण यादव, राजकुमार यादव, महेश यादव, दर्शन वर्मा, अरविंद यादव, प्रमोद कनौजिया, महेंद्र प्रसाद यादव,

कन्हैया लाल यादव, धर्मेन्द्र यादव, किशोर कुमार यदुवंशी, नजिम सैफी, अनील कहार, दिनेश यादव, राजेंद्र यादव, धर्मेन्द्र यादव, युसुफ शेख, आरुष यादव, संदीप यादव, समीरा संतोष भारती, गौरी रमेश कटपरा इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित थे। एक्शन मुंबई के संपादक एस एन यादव ने कहा आज समाज को ऐसी संस्थाओं की आवश्यकता है जो बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद की मदद करें। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि इस फाउंडेशन को और मजबूत बनाकर इसे समाज की सशक्त आवाज बनाया जाएगा।

एका मोबिलिटी और चार्टर्ड स्पीड ने पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत 1,135 ई-बसों के साथ ग्रीन मोबिलिटी को मजबूत किया

मुंबई। वैश्विक सीवी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में एक नया प्रतिमान स्थापित करने वाली अग्रणी ऑटोमोटिव और प्रौद्योगिकी कंपनी एका मोबिलिटी और यात्री बस मोबिलिटी सेवाओं की एक प्रसिद्ध कंपनी चार्टर्ड स्पीड ने भारत सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 1,135 इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए साझेदारी की है। कंपनियों को हाल ही में 235 बसें के लिए मात्रा की पुष्टि का पत्र प्राप्त हुआ है, जो पहले 900 बसों की पुष्टि के साथ जुड़कर, पूरे भारत में बसों की कुल संख्या 1,135 हो गई है। इस पहल से प्रतिदिन 3.6 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करने और 2,500 से अधिक नौकरियों के सृजन, भारत के ग्रीन मोबिलिटी परिदृश्य को मजबूत करने और समावेशी आर्थिक विकास को गति देने की उम्मीद है। एका मोबिलिटी की ईवी निर्माण विशेषज्ञता और चार्टर्ड स्पीड की परिचालन उत्कृष्टता को एक साथ लाते हुए, यह साझेदारी

सुरक्षित, कुशल और टिकाऊ परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए तैयार है। हाल ही में आवंटित 235 बसों के तहत, चार्टर्ड स्पीड मध्य प्रदेश (110 बसें), ओडिशा (60 बसें), छत्तीसगढ़ (35 बसें) और मेघालय (30 बसें) में बसों के बेड़े की खरीद, संचालन और रखरखाव करेगी। एका मोबिलिटी के बिजनेस हेड और श्री ग्रोथ ऑफिसर, श्री रोहित च्रीवास्तव ने कहा, एका मोबिलिटी का मिशन हमेशा से सभी के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और कुशल परिवहन को सुलभ बनाना रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना और चार्टर्ड स्पीड के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमें 1,135 इलेक्ट्रिक बसें तैनात करने पर गर्व है जो प्रतिदिन लाखों नागरिकों की सेवा करेंगी। हमारी हर बस जो हम सड़क पर उतारते हैं, वह भारत के शहरों को स्मार्ट, हरित और अधिक जन-केन्द्रित बनाने की दिशा में एक कदम है। चार्टर्ड स्पीड के पूर्णकालिक

निदेशक, श्री संयम गांधी ने कहा, चार्टर्ड स्पीड का लक्ष्य स्वच्छ, कुशल और समावेशी सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से रोजमर्रा की यात्रा को बदलना है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत यह आवंटन, एका मोबिलिटी के साथ हमारी साझेदारी के साथ, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विश्वसनीय मोबिलिटी समाधान बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो आवागमन को आसान बनाते हैं, स्थानीय समुदायों का समर्थन करते हैं और भारत के हरित मोबिलिटी मिशन में योगदान करते हैं। स्वच्छ ऊर्जा और शहरी समावेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एका मोबिलिटी प्रमुख भारतीय शहरों में पर्यावरण के अनुकूल, विश्वसनीय और सुलभ सार्वजनिक परिवहन की ओर बदलाव को आगे बढ़ा रही है, जिससे भारत के सतत मोबिलिटी में बदलाव में एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में इसकी भूमिका और मजबूत हो रही है।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद्र मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति

फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिल ववर्क्स

PRAJAPATI

FABRICATION & GRILL WORKS

MANUFACTURERS OF

COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW

SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R12P

93245 26742

98200 55193

93227 55403

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शारद फागुम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जबल, गेट क्रमांक 2, गोरोगव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर यु समता सहकारी को. ऑ. हां. सोंसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरगाव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रेक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

📍 आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहत्तियाँ, जौनपुर- 222001

बलरामपुर में युवक सद्विध परिस्थितियों में लापता, पुलिस तलाश में जुटी

लापता युवक अपने साथ होने वाली घटना को दोस्त से किया था शेयर

-नान बाबू चौहान
बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की जनपद बलरामपुर अंतर्गत उत्तरौला के एक युवक की सद्विधवस्था में गुमशुदा हो जाने की सूचना प्राप्त हुई है। बता दे कि विकास पांडेय नाम का युवक बलरामपुर से गौरा चौराहा होते हुए अपने गांव पिपरा एकडंगा जा रहा था। गुमशुदा विकास पांडेय के भाई विनीत पाण्डे ने बताया कि उत्तरौला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरा एकडंगा निवासी विकास पांडेय पुत्र वासुदेव पांडे बुधवार को देर शाम सद्विध परिस्थितियों में लापता हो गए। वह बलरामपुर से गौरा चौराहा मार्ग होते हुए अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान राप्ती नदी स्थित पिपरा घाट पुल पर रुक कर विकास ने कटरा निवासी अपने दोस्त ज्ञानचंद को फोन कर जानकारी दी कि कुछ लोग उन्हें रोककर धमका रहे हैं। और कह रहे हैं कि पैसा दो वरना नदी में फेंक देंगे। विकास ने फोन पर अपने मित्र से जल्दी आने

की गुहार भी लगाई। दोस्त ने तत्काल यह सूचना उनके परिजनों को दी। और ज्ञानचंद विकास परिवारजन व अन्य लोग मौके पर पहुंचे। तब तक विकास पांडेय वहां से गायब थे। पुल पर उनकी बाइक खड़ी मिली सूचना मिलते ही गौरा चौराहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही कोतवाली उत्तरौला के प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह व क्षेत्राधिकारी उत्तरौला राधेचंद्र सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। सीओ राधेचंद्र सिंह ने बताया कि विकास की तलाश में पीएसो का बाढ़ आपदा राहत दल व स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया है। घटना का क्षेत्र थाना गौरा चौराहा के अंतर्गत आता है।फिफलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और विकास पांडे की तलाश जारी है। गुरुवार शाम तक विकास पांडेय का कुछ पता नहीं चल सका। परिजनों ने विकास पांडे की तलाश के लिए वृहद पैमाने पर एनडीआरएफ की टीम लगाए जाने की मांग प्रशासन से की है।

काशी नगरी के सपूत अशोक यादव का मुंबई बोरा बाजार में भव्य स्वागत



मुंबई(उत्तरशक्ति)। यादव समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक यादव का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके साथ आए समाजसेवी और उद्योगपति दिनेश यादव, राकेश यादव, पप्पू यादव एवं भैयालाल यादव का भी आदरपूर्वक सम्मान

किया गया। समारोह में राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालमान यादव, शिक्षक शशिकांत यादव, समाजवाद पार्टी नेता लालू यादव, तथा ग्राम प्रधान बिजेंद्र यादव ने अशोक यादव को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर समाज सेवा के लिए उनका अभिनंदन किया।

कामन क्षेत्र में बाढ़ राहत कार्य में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की तत्परता



कामन, वसई। वसई तालुका के कामन क्षेत्र में कल भारी वर्षा के कारण नदी में अचानक आई बाढ़ से लगभग 300 से 350 नागरिक प्रभावित हुए। सभी प्रभावित नागरिकों को NDRF और दमकल विभाग की तत्परता से सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। उनके लिए कामन जिला परिषद स्कूल का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के

की व्यवस्था की गई है। आज बाढ़ प्रभावित नागरिकों का हालचाल जानने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने हेतु वसई की विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित तथा राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाइक ने कामन जिला परिषद स्कूल का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के

गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति और लो-वोल्टेज समस्या से राहत की उम्मीद



नए उपकेंद्र और 25 नई 33 केवी लाइनें बनाई जाएंगी। 34 पुरानी 33 केवी लाइनों का सुदृढ़ीकरण होगा। 7493 वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि की जाएगी। लगभग 2133 सुरक्षा कार्य जैसे वीसीवी स्थापना और अर्थिंग भी किए जाएंगे। इस निवेश से वितरण नेटवर्क की वह कमर मजबूत होगी जो लंबे समय से अतिभारित होकर बार-बार टूटती रही है। पूर्वांचल की जनता के लिए यह खबर किसी राहत से कम नहीं है। दशकों से बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और ट्रांसफार्मर जलने जैसी समस्याओं से जूझते उपभोक्ताओं को अब बेहतर भविष्य की उम्मीद दिख रही है। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीयूवीवीएनएल) के लिए वर्ष 2025-26 का बिजनेस प्लान मंजूर कर लिया है। 824 करोड़ की इस योजना से पूर्वांचल का विद्युत ढांचा सुदृढ़ होगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा सकेगी। योजना में नए उपकेंद्र, 33 केवी लाइनें और हजारों ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि जैसे कार्य शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि 11

स्वर्ण शिखर पर सफेद उल्लू : बाबा विश्वनाथ का संदेशवाहक?



-सुरेश गांधी
वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण शिखर पर बैठा सफेद उल्लू केवल एक पक्षी का संयोग मात्र नहीं है। यह काशी की आस्था, विश्वास और ज्योतिषीय मान्यता का ऐसा संगम है जिसने लोगों के हृदय में श्रद्धा और उत्साह की नई लहर जगा दी है। भक्त इसे बाबा का संदेशवाहक मानते हुए इसे शुभ संकेत और आगामी समृद्धि का प्रतीक मान रहे हैं। बता दें, आस्था

की नगरी काशी में इन दिनों एक विचित्र और अद्भुत दृश्य चर्चा का विषय बना हुआ है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के स्वर्ण शिखर पर एक सफेद उल्लू का बैठना भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच रहस्यमय जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। सामान्यतः उल्लू को रात्रिचर और रहस्यमय पक्षी माना जाता है, लेकिन सफेद उल्लू का स्वरूप अत्यंत दुर्लभ है। यही कारण है कि लोग इसे बाबा विश्वनाथ का

संदेशवाहक और शुभ संकेत मान रहे हैं।

हिंदू शास्त्रों में उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन कहा गया है। जहां उल्लू का वास होता है, वहां लक्ष्मी की कृपा मानी जाती है और दरिद्रता टिक नहीं पाती। काशी जैसे तीर्थराज में, और वह भी बाबा विश्वनाथ के स्वर्ण शिखर पर बैठा सफेद उल्लू, भक्तों के लिए असाधारण दृश्य है। सफेद रंग स्वयं शांति, पवित्रता और दिव्यता का प्रतीक है। ऐसे में भक्त इसे न केवल शुभ मान रहे हैं, बल्कि इसे धन, सुख और समृद्धि का दिव्य संदेश भी समझ रहे हैं।

काशी के विद्वान पंडित और ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि देवता कई बार दुर्लभ जीवों या अपने वाहनों के माध्यम से संकेत देते हैं। उनका कहना है कि स्वर्ण शिखर पर सफेद उल्लू का बैठना महज संयोग नहीं हो सकता। यह संभवतः इस ओर इशारा है कि आने वाले समय में काशी और देश में सुख-समृद्धि का संचार होने वाला है। भक्तों का विश्वास है कि बाबा विश्वनाथ अपने अनोखे ढंग से संकेत देते हैं। कभी गंगा की धारा, कभी नाग-नागिन का प्रकट होना

और अब सफेद उल्लू का दर्शनकृद्यह सब ईश्वर की योजना का हिस्सा है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, उल्लू को रात्रि का प्रहरी माना जाता है। सफेद उल्लू का प्रकट होना अत्यंत दुर्लभ है और इसे दैवीय संकेत समझा जाता है। मान्यता है कि यह आने वाले समय में अच्छे परिवर्तन, शांति और कल्याणकारी फल का द्योतक है। काशी के लोगों का मानना है कि बाबा विश्वनाथ जब भी कोई अलौकिक संकेत देते हैं, उसका असर दूरगामी होता है। श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को बाबा का आशीर्वाद बताया। बहुत से भक्तों ने इसे मां लक्ष्मी के आगमन का सूचक और अच्छे दिनों की दस्तक तक करार दिया।

श्रद्धालुओं का कहना है कि बाबा विश्वनाथ समय-समय पर अलौकिक संकेत देते हैं। सफेद उल्लू का प्रकट होना भी ऐसा ही दिव्य संदेश है। किसी ने इसे मां लक्ष्मी के आगमन का सूचक बताया, तो किसी ने इसे आने वाले सुख-समृद्धि और कल्याणकारी फल का प्रतीक माना।

आर.एन. यादव नियुक्त हुए अखिल भारतीय यादव महासभा, महाराष्ट्र के प्रदेश सचिव



नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय यादव महासभा, महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष एवं आमदार सचिन भाऊ अहीर ने आर. एन. यादव को रूप्रदेश सचिव म्हा यादव महासभा महाराष्ट्र के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर अहीर ने कहा, ह्म आर. एन. यादव समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ, सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो लंबे समय से जनकल्याणकारी गतिविधियों में संलग्न हैं। उनकी निष्ठा और

समर्पण को देखते हुए हमें विश्वास है कि वे महासभा की नीतियों एवं उद्देश्यों को महाराष्ट्र में नई दिशा देंगे और संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे। श्री यादव की नियुक्ति से संपूर्ण यादव समाज में उत्साह और दर्ष का माहौल है। समाज के विभिन्न वर्गों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयाँ दी हैं। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए आर. एन. यादव ने कहा, मैं प्रदेश अध्यक्ष सचिन भाऊ अहीर का हृदय से धन्यवाद करता हूँ। उन्होंने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करूंगा और समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा।

नालासोपारा पश्चिम में जलभराव से राहत के प्रयास शुरू, नगर निगम ने अनाधिकृत भराव हटाया



नालासोपारा। श्रीप्रस्थ कॉम्प्लेक्स के चौथे रोड से सटे नाले में किए गए अनाधिकृत भराव के कारण क्षेत्र में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। खासतौर पर श्रीप्रस्थ कॉम्प्लेक्स और मदर मैरी स्कूल के आस-पास स्थित लगभग 23 इमारतों के भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर रहने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय निवासियों की शिकायत के बाद नगर निगम हरकत में आया और आज सुबह निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर अनाधिकृत भराव को हटाने की कार्रवाई शुरू की। टीम ने संबंधित सड़क का लगभग आधा हिस्सा साफ किया, जिससे पानी की निकासी का मार्ग खुल सका। साथ ही, बंद पड़े पानी के पंप को भी तत्काल शुरू किया गया, जिससे जलनिकासी की प्रक्रिया में तेजी आई। इस कार्यवाही के दौरान वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटिल भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ प्रवीण पाटिल, कृष्णा दुबे, अश्विन सिंह सहित कई स्थानीय नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। स्थानीय निवासियों ने राहत की इस पहल का स्वागत किया है, परंतु साथ ही यह मांग भी रखी है कि भविष्य में ऐसी अनाधिकृत गतिविधियों को समय रहते रोका जाए, ताकि इस तरह की समस्याएं दोबारा न उत्पन्न हों।

घर की बगिया संवारने का जुनून



चिराम। ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी से मिलने वाली सुंदरी हवेली के राह में बने अपने घर में चारों ओर बहुत से पौधे उगाकर बगिया का रूप देने में जुटी पर्यावरण प्रिय प्रियंका सैनी गुरुवार को पत्थर चट्टी, रुद्राक्ष, लीली, सदा बहार और सुनहरी प्लांट सरीखे 5 पौधे रोपित कर बगिया को सहारने का काम किया। स्नातक कर चुकी प्रियंका को बागवानी का बहुत शौक है, उसने बताया कि इस पुनीत कार्य में मेरी मां मोहिनी देवी भी मेरा सहयोग करती रहती है।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर हुआ बुजुर्गों का हुआ सम्मान

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति) गौराबादशाहपुर नगर पंचायत के नयनसंड स्थित सुप्रभात विल्डिङ्स एकेडमी में गुरुवार को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को यह संदेश देना था कि दादा-दादी, नाना-नानी तथा समाज के बड़े-बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं। उनकी इज्जत और महत्व को समझना हर बच्चे का कर्तव्य है। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने बच्चों को यह प्रेरणा दी कि वे अपने बड़ों के अनुभवों से सीखें और उनका आदर करें। विद्यालय परिवार ने बताया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में संस्कार और परिवारिक मूल्यों की समझ विकसित होती है। वरिष्ठ नागरिकों ने भी विद्यालय परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दीं। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य सुभाष पाल, प्रबंधक रोहित प्रताप पाल, वाइस प्रिंसिपल अशोकन मीनगोथ, अर्जुन राय, अबु तालिब समेत सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

वृद्ध आश्रम में खाद्य सामग्री वितरित कर मनाया जन्मदिन



दिवा, ठाणे। दिवा में सुंदरकांड पाठ व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसके पूर्व वृद्ध आश्रम में खाद्य सामग्री वितरित की गई। उक्त सभी धार्मिक सामाजिक कार्यक्रम राष्ट्रीय हिंदू स्वयंसेवक संघ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व अधिवक्ता बिपिन कुमार दुबे ने अपने जन्मदिन पर की। दुबे की इस पहल की चहुँपाने प्रसन्न हो रही है। बुधवार को दिवा पूर्व नरहरी समाज हाल में भजन गायक विजय(नाना) मिश्रा टीम द्वारा सुंदरकांड पाठ व

दी। इसके साथ ही शाम को नरहरी समाज हाल में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम के अवसर पर दुबे के चाहने वालों ने शाल, पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्घायु की कामना की।

अधिवक्ता बिपिन कुमार दुबे का कहना है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उन्होंने कहा कि यह सेवा करने से एक अलग सुख की अनुभूति होती है। मैं बड़ा ही सौभाग्यशाली हूँ, जो ऐसी सेवा करने का मौका हमें मिला है। भविष्य में मुझसे जो बन पड़ेगा मैं लोगों की ऐसी सेवा के लिए तत्पर रहूंगा। हर मां बाप की यही तमन्ना होती है। हमारा बच्चा आगे चलकर हमारा सहारा बनेगा। लेकिन समाज के कुछ कंटक लोग ऐसी कृत्त कर रहे हैं। जो अपने ही मां बाप की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें वृद्ध आश्रम में छोड़ देते हैं। ऐसे में हम सभी को पहल कर आगे आना होगा। जिससे समाज के लिए भी कुछ कर पाए तो यह हम सभी का सौभाग्य होगा। ऐसे ही सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा हमें हमारे मां-बाप से हमें विरासत में मिली है। कार्यक्रम आए हुए सभी लोगों का अधिवक्ता दुबे ने आभार जताया।

भारत-चीन युद्ध के दौरान शहीद हुए 114 वीर अहीर जवानों की याद में कलश यात्रा 24 को

नवीं (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सचिन भाऊ अहिर के निर्देशन व विशन कुमार के मार्गदर्शन में वर्ष 1962 में भारत-चीन रेजॉगला युद्ध के दौरान शहीद हुए 114 वीर अहीर जवानों की याद में कलश यात्रा निकल गया है। यह कलश यात्रा महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्र से होते हुए 24 अगस्त के पूर्व कोपर खैराने पहुंच जाएगा। फिर पुनः कोपर खैराने से यह कलश यात्रा शुरू होकर वासी स्थित रघु लीला हाल में पहुंचकर एक सभा में तब्दील हो जाएगा।



कोपर खैराने से इस यात्रा का शुभारंभ होगा। जिसमें यादव समाज के लोग भारी संख्या में मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन राजेंद्र बहादुर यादव अखिल भारतीय यादव महासभा मुंबई व आरएन यादव प्रदेश सचिव

से घायल हो गए। लेकिन हमारे वीर जवान 120 लोगों ने चीन के 1500 जवानों की जहां बलि चढ़ा दी, वही लगभग 3000 जवानों को जीवन व मौत के बीच संघर्ष करने को मजबूर कर दिया था।

कोतवाली पुलिस ने तीन अन्तरजनपदीय वाहन चोर दबोचे, छः बाइक और लूट का मोबाइल हुआ बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस ने अन्तरजनपदीय वाहन चोर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शांति चोरों को धर दबोचा है। पकड़े गए चोरों के कब्जे से चोरी की 6 मोटरसाइकिलें और एक लूट का मोबाइल फोन बरामद हुआ है। 16 अगस्त को अग्रगंज निवासी युवती प्राची सिंह अपनी बहन के साथ मंदिर जा रही थीं। तभी दुर्गा सिटी हॉस्पिटल के पास सफेद अपाचे बाइक सवार बगमाश, मोबाइल छीनकर फरार हो गया। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने चोरों की तलाश तेज कर दी। मुख्यािर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुवाई में पुलिस टीम ने तारापुर कॉलोनी स्थित झाड़ियों में छिपे तीन चोरों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों में अनुराग यादव, मड़ियाहूँ,



जौनपुर, रोहित वर्मा, आसपुर देवसरा, प्रतापगढ़, अंकित यादव, आसपुर देवसर, प्रतापगढ़ पृथताद, में कबूल किया कि वे बाइक चोरी कर नंबर प्लेट हटा देते थे और चेसिस नम्बर घिसकर बेचने की फिराक में थे। मोटरसाइकिलें उन्होंने हरिओम हॉस्पिटल, सीटी स्टेशन, नौपेडवा बाजार, तारापुर कॉलोनी और शेखर क्रांति हॉस्पिटल नईगंज से चोरी की थीं। बरामदगी, 6

अधिक नुकसान कर बैठते हैं। लेकिन सबसे खतरनाक बात यह है कि कॉकरोच को मारने का गलत तरीका, कीड़े से अधिक नुकसानदेह हो सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि वि. ई. कोली , सालमोनेला और स्टैफाइलोकोकस आरियस जैसे हानिकारक रोगाणुओं को फैला सकते हैं।

कॉकरोच को गलत तरीके से मारना, आपके स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकता है
मुंबई। हो सकता है कि आप

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर



डा० नवीन कुमार सिंह

M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ



डा० शिल्पी सिंह

M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ



- फ्रैक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगों का इलाज



- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- द्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी



आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध

नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ०.प्र०) ☎ 6390303050



त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल



डा० स्पृहा सिंह

M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)

जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद



डा० जयेश सिंह

एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलिसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलिसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्यपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाइटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।



आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ०.प्र०)

☎ 05452-356274/ 7992031213, 9026551423



अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर



डा. अरुण आर. सिंह

कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन

एस.एम.ओ. एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर. एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथेरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस
की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा
उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं
कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा० पुनीत सिंह

M.S.M.C.H.

गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा० रवि प्रकाश सिंह

M.S. (Ortho)

हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा० प्रभात सिंह

M.D. (Medicine)

कंसल्टेंट फिजिशियन

डा० सुमित कुमार सिंह

M.D. (Neuro Psychiatrist)

मानसिक रोग विशेषज्ञ



बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं



☎ 8090966086, 8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर



SALVATION HOSPITAL साल्वेशन हॉस्पिटल



डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव

B.A.M.S.

(स्त्री रोग विशेषज्ञ)



पंडित दीनदयाल उपाध्याय

राज्यकर्मि केशलेस चिकित्सा योजना
संबद्ध अस्पताल



**आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री
जन आरोग्य योजना**

के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क



डॉ. विवेक श्रीवास्तव

M.D. (Physician, F.G.O.)

(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.

Member of Indian Medical Association UPMCI Reg. No. 95653



24 घंटे
भर्ती की
सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा० सन्तोष मोर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर) ☎ 9138828282, 8686867547



एस.आर.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर



डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट
रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन



डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन



डा. नेदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन



डा. अरविन्द कुमार अग्रहारी
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल



डा. एस.के. मिश्रा
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल



डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल



डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthesia)
एनेस्थेसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल



7355 358194



05452- 356555

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर



ए. एम. बाजाज



मो.अशहद



अब्दुल माजिद

९ मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 ☎ 9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS

Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL
AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer



- Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services ☎ 7860303530, 9616636079

प्रो०- मो० आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां

सह-संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)



निफट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ०. प्र०)